

कक्षा - 10

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 11

कायर मत बन

(नरेंद्र शर्मा (1913-1989))

भाग – 2

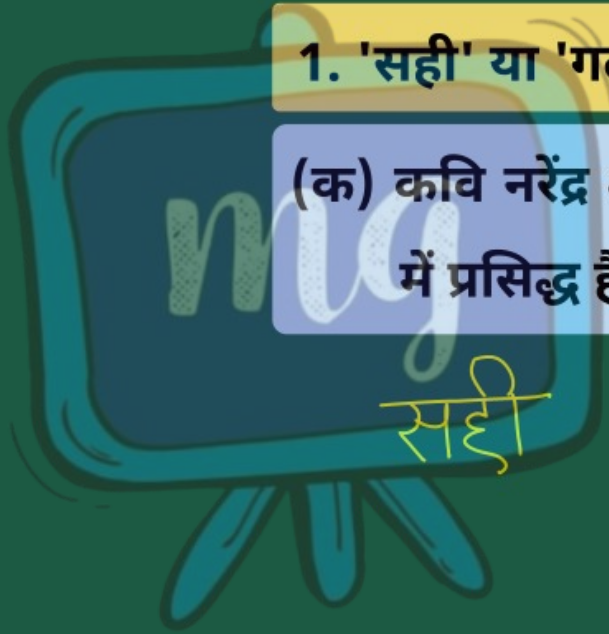
अभ्यासमाला

पल्लवी कलिता

बोध एवं विचार —

1. 'सही' या 'गलत' रूप में उत्तर दो :

(क) कवि नरेंद्र शर्मा व्यक्तिवादी गीतिकवि के रूप में प्रसिद्ध हैं।



(ख) नरेंद्र शर्मा की कविताओं में भक्ति एवं वैराग्य के स्वर प्रमुख हैं।



(ग) पंडित नरेंद्र शर्मा की गीति-प्रतिभा के दर्शन छोटी अवस्था में ही होने लगे थे।



(घ) 'कायर मत बन' शीर्षक कविता में कवि ने प्रतिहिंसा से दूर रहने का उपदेश दिया है।



(ङ) कवि ने माना है कि प्रतिहिंसा व्यक्ति की कमजोरी को दर्शाती है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो :

(क) कवि नरेंद्र शर्मा का जन्म कहाँ हुआ था ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो :

(क) कवि नरेंद्र शर्मा का जन्म कहाँ हुआ था ?

उत्तरः कवि नरेंद्र शर्मा का जन्म उत्तर प्रदेश के अन्तर्गत जहाँगीर नामक स्थान में हुआ था।

(ख) कवि नरेंद्र शर्मा आकाशवाणी के किस कार्यक्रम के संचालक नियुक्त हुए थे ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) कवि नरेंद्र शर्मा आकाशवाणी के किस कार्यक्रम के संचालक नियुक्त हुए थे ?

उत्तरः कवि नरेंद्र शर्मा आकाशवाणी के 'विविध भारती' कार्यक्रम के संचालक नियुक्त हुए थे।

(ग) 'द्रौपदी' खंड काव्य के रचयिता कौन हैं?



(ग) 'द्रौपदी' खंड काव्य के रचयिता कौन हैं?

उत्तरः गीतिकवि नरेंद्र नाथ शर्मा 'द्रौपदी' खण्ड काव्य के रचयिता है।



(घ) कवि ने किसे ठोकर मारने की बात कही है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) कवि ने किसे ठोकर मारने की बात कही है?

उत्तरः - कवि ने लक्ष्य के मार्ग पर आने वाले पाहन जैसे कठिन बाधाओं को ठोकर मारने की बात कही है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) मानवता ने मनुष्य को किस प्रकार सींचा है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) मानवता ने मनुष्य को किस प्रकार सींचा है?

उत्तरः मानवता ने मनुष्य को खून-पसीना बहाकर सींचा है।



(च) व्यक्ति को किसके समक्ष आत्म-समर्पण नहीं करना चाहिए ?



(च) व्यक्ति को किसके समक्ष आत्म-समर्पण नहीं करना चाहिए ?

उत्तरः व्यक्ति को कभी भी दुष्ट या शत्रु के समक्ष आत्म-समर्पण करना नहीं चाहिए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. अति संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में):

(क) कवि नरेंद्र शर्मा के गीतों एवं कविताओं की विषयगत विविधता पर प्रकाश डालिए।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. अति संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में):

(क) कवि नरेंद्र शर्मा के गीतों एवं कविताओं की विषयगत विविधता पर प्रकाश डालिए।

उत्तरः कवि नरेंद्र शर्मा के गीतों और कविताओं में व्यक्तिगत भावानुभूति के अलावा सामाजिक प्रगतिशीलता के भी दर्शन होते हैं। उनकी गीतों और कविताओं में प्रणयानुभूति, विरह-मिलन, सुख-दुःख, प्रकृति सौन्दर्य, आध्यात्मिकता, रहस्यानुभूति, राष्ट्रीय भावना, सामाजिक विषमता आदि का चित्रण भी हमें देखने को मिलता है।

(ख) नरेंद्र शर्मा जी की काव्य-भाषा पर टिप्पणी प्रस्तुत करो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) नरेंद्र शर्मा जी की काव्य-भाषा पर टिप्पणी प्रस्तुत करो।

उत्तरः गीतिकवि नरेन्द्र शर्मा जी की काव्यभाषा सरल, प्रांजल, और सांगीतिक लययुक्त खड़ी बोली है। उनकी भाषा प्रवाहमयी है। ओज, माधुर्य और प्रसाद गुणों से युक्त उनकी रचनाओं में आत्मीयता, चित्रात्मकता और आलंकारिकता- ये तीन निराले गुण हैं ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) कवि ने कैसे जीवन को जीवन नहीं माना है ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) कवि ने कैसे जीवन को जीवन नहीं माना है ?

उत्तरः प्रतिकुल परिस्थितियों के समक्ष सिर झुकाकर तथा दुःख के आँसुओं को पीकर जीवन यापन करना जीवन नहीं है। ऐसा जीवन बिताना कवि के अनुसार कायरता का जीवन है जिसका कोई मूल्य नहीं जाता।

(घ) कवि ने कायरता को प्रतिहिंसा से अधिक अपवित्र क्यों कहा है ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) कवि ने कायरता को प्रतिहिंसा से अधिक अपवित्र क्यों कहा है ?

उत्तरः गीति कवि नरेंद्र शर्मा जी के अनुसार व्यक्ति का परिस्थिति से डर कर भाग जाना ही कायरता है। कठिन परिस्थितियों तथा बाधाओं से बचकर व्यक्ति अपने जीवन के लक्ष्य तक जा नहीं सकता। इसके बदले लोगों को वीरता से लड़ाई कर शत्रु से लोहा लेना ही- चाहिए। इसमें व्यक्ति अपने प्रति होने वाली हिंसा को दूर भगाकर अपने भीतर रहे पुरुषार्थ को और बढ़ा सकता है ।

कवि ने प्रतिहिंसा को दुर्बलता माना है । फिर भी मनुष्य को कायर न बनने का उपदेश दिया और कायरता को प्रतिहिंसा से भी अधिक अपवित्र कहा है।



(ङ) कवि की दृष्टि में जीवन के सत्य का सही माप क्या है ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) कवि की दृष्टि में जीवन के सत्य का सही माप क्या है ?

उत्तरः कवि की दृष्टि में सत्य का सही माप यह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन के लक्ष्य मार्ग में आने वाले बाधाओं से डर कर भागता है, उसे लक्ष्य की प्राप्ति कभी नहीं होती और जो मानवता को अमर बनाने में परिस्थितिओं के साथ लड़ाई कर खून-पसीना बहाकर आया है उनकी ही उन्नति होती है।

4. संक्षेप में उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में):

(क) 'कायर मत बन' शीर्षक कविता का संदेश क्या है ?

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. संक्षेप में उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में):

(क) 'कायर मत बन' शीर्षक कविता का संदेश क्या है ?

उत्तरः मनुष्य को किसी भी प्रतिकुल परिस्थिति तथा शत्रु के सामने सिर झुकाना नहीं चाहिए। चाहे हिंसा के बदले हिंसा ही करें; कभी भी कायर बनना नहीं चाहिए। मानवता की रक्षा के लिए मनुष्य को दुष्ट शत्रुओं का वीरता से सामना करना चाहिए, अपना सब कुछ छोड़ने को तैयार रहना चाहिए ताकि मानवता खंडित न हो, न हिंसा की भी जीत।

(ख) 'कुछ न करेगा ? किया करेगा- रे मनुष्य - बस कातर क्रंदन' का आशय स्पष्ट करो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) 'कुछ न करेगा ? किया करेगा- रे मनुष्य - बस कातर क्रंदन' का आशय स्पष्ट करो।

उत्तरः इसमें कवि ने मनुष्य को सम्बोधित करते हुए कहा है कि प्रतिकुल परिस्थितियों के डर से भागना और दुःख के आँसुओं को पीते रहना मनुष्य जीवन का लक्ष्य नहीं है। अपने भीतर साहस और दृढ़ता पैदा कर परिस्थितियों का सामना करना ही मनुष्य जीवन का कर्तव्य होना चाहिए, कायर बनना नहीं चाहिए।

(ग) 'या तो जीत प्रीति के बल पर, या तेरा पथ चूमे तस्कर'- का तात्पर्य बताओ।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) 'या तो जीत प्रीति के बल पर, या तेरा पथ चूमे तस्कर'- का तात्पर्य बताओ।

उत्तरः इसमें कवि ने मनुष्य के समक्ष आने वाले दुष्ट को अपने प्रेम के बल पर जीत लेने का उपदेश दिया है। नहीं तो हिंसा का जवाब प्रतिहिंसा से ही देना चाहिए। क्योंकि मानवता की रक्षा के सामने व्यक्ति की सुरक्षा का कोई मोल नहीं है। कवि का कहना है कि कायर व्यक्ति परिस्थितियों से भागकर अपवित्रता का जीवन बिताता है। कवि ने वैसे जीवन को जीवन ही नहीं माना है ।

(घ) कवि ने प्रतिहिंसा को व्यक्ति की दुर्बलता क्यों कहा है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) कवि ने प्रतिहिंसा को व्यक्ति की दुर्बलता क्यों कहा है?

उत्तरः गीति-कवि नरेन्द्र शर्माजी की दृष्टि मानवतावादी है। मानवतावाद की प्रतिष्ठा व्यक्ति की प्रेम या प्रीति के बल पर निर्भर है। सज्जन व्यक्ति की सज्जनता और कर्म दरचल सत्य, न्याय, अहिंसा, प्रेम आदि गुणों द्वारा प्रेरित होती है। लोगों को सज्जन व्यक्ति को आदर करने के साथ-साथ उनके गुणों को भी अपनाने की कोशिश करनी चाहिए, जिससे हमारा मन या आत्मा पवित्र बनता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

लेकिन इसके विपरीत अगर हम हिंसा के बदले हिंसा करने लगे, तो अपने भीतर निहित नम्रता, कोमलता, धैर्य, सहिष्णुता जैसे पवित्र गुणों को मिटा देना पड़ता है। इसलिए कवि ने प्रतिहिंसा को व्यक्ति की दुर्बलता कहा है।

5. सम्यक् उत्तर दो (लगभग 100 शब्दों में) :

(क) सज्जन और दुर्जन के प्रति मनुष्य के व्यवहार कैसे होने चाहिए ? पठित 'कायर मत बन' कविता के आधार पर उत्तर दो।

5. सम्यक् उत्तर दो (लगभग 100 शब्दों में) :

(क) सज्जन और दुर्जन के प्रति मनुष्य के व्यवहार कैसे होने चाहिए ? पठित 'कायर मत बन' कविता के आधार पर उत्तर दो।

उत्तरः समाज में सज्जन और दुर्जन दोनों प्रकार के व्यक्ति है। सज्जन व्यक्ति अपनी सज्जनता, पवित्रता, नम्रता, मनुष्यत्व, अहिंसा, प्रेम आदि अनेक सदगुणों के कारण लोगों का प्रियपात्र बन जाते हैं। लोग उन्हें आदर करते हैं और उनके गुणों को अपनाने की कोशिश करते हैं।

सज्जन के प्रति हमें ऐसा व्यवहार करना नहीं चाहिए, जिससे उनके हृदय में काई चोट लग जाए। उनसे हमें प्रेम, विनम्रता और कोमलता का व्यवहार करना चाहिए। इसके विपरीत जो व्यक्ति दुर्जन है-और अपने हिंसा, अन्याय आदि दुष्कर्म द्वारा सभ्य मानव समाज को वर्वर-दानवता की ओर ले जाते हैं, उसके प्रति हमारा व्यवहार भी कठोर होना चाहिए। मानवता की रक्षा के मार्ग में बाधा डालनेवाले वैसे दुर्जन व्यक्ति के दुष्कर्म, अन्याय को रोकने के लिए उनके विरुद्ध व्यवहार करना चाहिए। उनके आगे सिर न झुका कर साहस और दृढ़ता से खड़ा होना चाहिए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) 'कायर मत बन' कविता का सारांश लिखो।



(ख) 'कायर मत बन' कविता का सारांश लिखो।

उत्तरः मनुष्य को अपने लक्ष्य मार्ग पर बाधा डालने वाले से डरकर भागना नहीं चाहिए। दुःख के आँसुओं को पीते रहकर जीवन गुजारना कायरता का ही जीवन है। मानवता की रक्षा के लिए व्यक्ति को अपने जीवन के सर्वस्व त्याग करने को तैयार रहना चाहिए। अपना अस्तित्व कायम रखना मनुष्य का परम कर्तव्य है। इसके लिए व्यक्ति को साहस और दृढ़ता की जरूरत है, ताकि वह अपने मार्ग रोकनेवाले दुर्जनों से लोहा ले सके, अन्याय को रोक सके।

कवि प्रतिहिंसा को व्यक्ति जीवन की दुर्बलता स्वीकारते हुए कहते हैं कि-कायरता प्रतिहिंसा से भी अधिक अपवित्र है। अतः व्यक्ति को कभी भी किसी भी हालत में कायरों का जीवन बिताना नहीं चाहिए।

सज्जनों का जीवन पवित्र है। उनके सामने सिर झुकाना या उनके सदगुणों को अपनाना मनुष्य मात्र का ही ध्येय होना चाहिए। उसी प्रकार दुर्जनों का जीवन अपवित्र है। उसके साथ कठोरता का व्यवहार करना चाहिए, आत्म-समर्पण कर व्यक्ति जीवन की अस्तित्व का नाश होने नहीं देना चाहिए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) कवि नरेंद्र शर्मा का साहित्यिक परिचय दो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) कवि नरेंद्र शर्मा का साहित्यिक परिचय दो।

उत्तरः कवि नरेंद्र शर्मा जी के साहित्यिक प्रतिभा का दर्शन छोटी उम्र में हुई। विद्यार्थी जीवन में ही उनके दो गीत-संग्रह प्रकाशित हुए। जीवन के अंतिम समय तक उनकी लेखनी चलती रही। वे आधुनिक हिन्दी काव्य धारा के अन्तर्गत छायावाद एवं छायावादोत्तर युगो में होने वाले व्यक्तिवादी गीति-कविता-के रचयिता के रूप में प्रसिद्ध है। उनके कुछेक कविताओं में प्रगतिशीलता के भी दर्शन होते हैं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उनकी काव्य-कृतियों में प्रभात फेरी, 'प्रवासी के गीत', 'पलाशवन', 'मिट्टी के फुल', 'हंसमाला', 'रक्तचंदन', 'कदलीवन, 'दौपदी' (खण्डकाव्य), 'उत्तरजय' (खण्डकाव्य) और सुवर्ण' (खण्डकाव्य) विशेष रूप से उल्लेखनीय है। 'कड़वी-मोठी बातें' उनका कहानी संग्रह है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

6. प्रसंग सहित व्याख्या करो :

(क) "ले-दे कर जीना..... युगों तक खून-पसीना।"



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

6. प्रसंग सहित व्याख्या करो :

(क) "ले-दे कर जीना..... युगों तक खून-पसीना।"

उत्तरः

संदर्भ - यह पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक 'आलोक भाग-2 के अन्तर्गत गीति-कवि नरेंद्र शर्माजी विरचित "कायर मत बन" शीर्षक कविता से ली गई है।

प्रसंग इसमें कवि ने मानव को साहस और दृढ़ता से प्रतिकुल परिस्थितियों का सामना करते हुए सही जीवन-यापन करने की प्रेरणा दिया है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

व्याख्य- कवि शर्माजी का कहना है कि मनुष्य अपना खून-पसीना बहाकर मानव के स्वतन्त्र अस्तित्व को बनाए रखता है। परिस्थितियों से डरकर भागना और दुःख के आँसुओं को पीकर रहना सही जीवन की निशानी नहीं है। हिंसा और अन्याय से लड़कर मानवता की रक्षा करना सबके लिए जरुरी है। वरना किसी को लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होती।

(ख) “युद्धं देहि' कहे जब.... तेरा पथ चूमे तस्कर।"



(ख) "युद्धं देहि' कहे जब.... तेरा पथ चूमे तस्कर।"

उत्तरः

संदर्भ - यह पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक 'आलोक भाग-2 के अन्तर्गत गीति-कवि नरेंद्र शर्माजी विरचित "कायर मत बन" शीर्षक कविता से ली गई है।

प्रसंग: इस पंक्ति के जरिए कवि ने शत्रु द्वारा दिए गए हिंसा का जवाब प्रतिहिंसा से देने की बात कही है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

व्याख्या: अगर दुष्ट व्यक्ति हमें युद्ध के लिए ललकारे, तो उनके हिंसा और अत्याचार को अगर घबराकर सहन कर लेंगे तो वह हमें कमजोर समझेगा, जो कि एक कायरता की निशानी है। इसलिए कवि का आह्वान है कि हमें कायर न बैठकर उसका उत्तर प्यार के बल से देना चाहिए। अगर वह हिंसा का जवाब हिंसा से चाहता है तो उसका उत्तर प्रतिहिंसा से ही देना चाहिए। हिंसा मानसिक कमजोरी होती है। लेकिन कायरता हिंसा से भी अधिक अपवित्र होती है। इसलिए कभी-कभी हिंसा के बदले हिंसा जरूरी हो जाता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भाषा एवं व्याकरण ज्ञान

1. खाली जगहों में 'न', 'नहीं' अथवा 'मत' का प्रयोग करके वाक्यों को फिर से लिखो :

(क) तू कभी भी कायर ..... बन।

(ख) तुम कभी भी कायर..... बनो।

(ग) आप कभी भी कायर ..... बनें।

(घ) हमें कभी भी कायर बनना..... चाहिए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भाषा एवं व्याकरण ज्ञान

1. खाली जगहों में 'न', 'नहीं' अथवा 'मत' का प्रयोग करके वाक्यों को फिर से लिखो :

(क) तू कभी भी कायर मत..... बन।

(ख) तुम कभी भी कायर मत..... बनो।

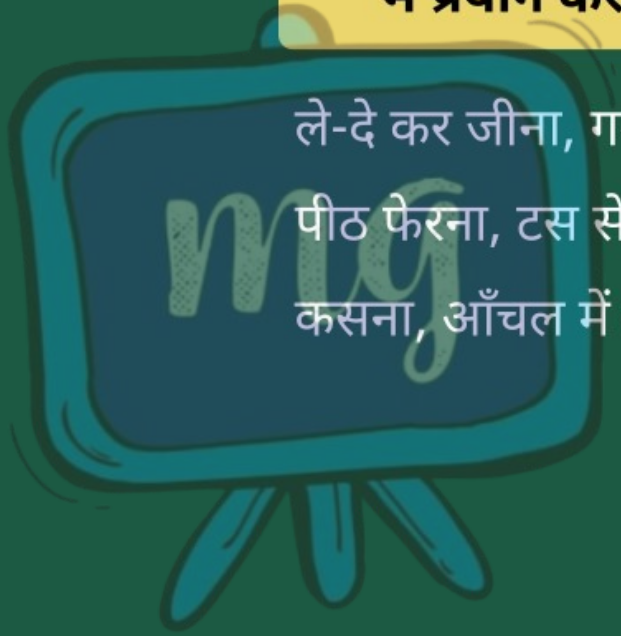
(ग) आप कभी भी कायर न..... बनें।

(घ) हमें कभी भी कायर बनना नहीं..... चाहिए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. अर्थ लिखकर निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करो :



ले-दे कर जीना, गम के आँसू पीना, खून-पसीना बहाना, पीठ फेरना, टस से मस न होना, कालिख लगना, कमर कसना, आँचल में बाँधना

- ले-दे कर जीना

अर्थ – समझौता करना

वाक्य - ले-दे कर जीना मनुष्य को आत्मिक रूप से कमजोर बना देता है।

- गम के आँसू पीना

अर्थ – मन के दुःख को मन में रखना

वाक्य - हर समय गम के आँसू पीना समाधान नहीं होता, साहस दिखाना भी ज़रूरी है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

- खून-पसीना बहाना

अर्थ – बहुत मेहनत करना

वाक्य - किसान अपनी फसल उगाने के लिए खून-पसीना बहाते हैं।

- पीठ फेरना

अर्थ – चुनौती से भागना

वाक्य - संकट के समय मित्रों से पीठ फेरना कायरता कहलाती है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

- टस से मस न होना

अर्थ – अडिग रहना

वाक्य - कितनी भी मुश्किलें आईं, वह अपने लक्ष्य से टस से मस नहीं हुआ।

- कालिख लगना

अर्थ – कलंक लगना

वाक्य - एक छोटी-सी भूल ने उसके उज्ज्वल जीवन पर कालिख लगा दी।

- आँचल में बाँधना

अर्थ – बात अच्छी तरह याद रखना

वाक्य – राम ने गुरु की सीख को आँचल में बाँध लिया और जीवन में अपनाया।।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखो :

(क) सभा में अनेकों लोग एकत्र हुए हैं।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखो :

(क) सभा में अनेकों लोग एकत्र हुए हैं।

उत्तरः सभा में अनेक लोग एकत्र हुए हैं ।

(ख) मुझे दो सौ रुपए चाहिए।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) मुझे दो सौ रुपए चाहिए।

उत्तरः मुझे दो सौ रुपये चाहिए ।



(ग) बच्चे छत में खेल रहे हैं।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) बच्चे छत में खेल रहे हैं।

उत्तरः बच्चे छत पर खेल रहे हैं ।



(घ) मैंने यह घड़ी सात सौ रुपए से ली है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) मैंने यह घड़ी सात सौ रुपए से ली है।

उत्तरः मैंने यह घड़ी सात सौ रुपए में ली है ।



(ङ) मेरे को घर जाना है।



(ङ) मेरे को घर जाना है।

उत्तरः मुझे घर जाना है ।



(च) बच्चे को काटकर गाजर खिलाओ।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(च) बच्चे को काटकर गाजर खिलाओ।

उत्तरः बच्चे को गाजर काटकर खिलाओ ।



(छ) उसने पुस्तक पढ़ चुका।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(छ) उसने पुस्तक पढ़ चुका।

उत्तरः वह पुस्तक पढ़ चुका है ।



(ज) जब भी आप आओ, मुझसे मिलो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ज) जब भी आप आओ, मुझसे मिलो।

उत्तरः आप जब भी आओ, मुझसे मिलना।



(झ) हम रात को देर से भोजन खाते हैं।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(झ) हम रात को देर से भोजन खाते हैं।

उत्तरः हम रात को देर से भोजन करते हैं।



(ञ) बाघ और बकरी एक ही घाट पानी पीती है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ञ) बाघ और बकरी एक ही घाट पानी पीती है।

उत्तरः बाघ और बकरी एक ही घाट में पानी पीते हैं।



4. निम्नलिखित शब्दों से प्रत्ययों को अलग करो :



आधुनिक :

विषमता :

भलाई :

लड़कपन :

बुढ़ापा :

मालिन :

गरीबी :

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. निम्नलिखित शब्दों से प्रत्ययों को अलग करो :

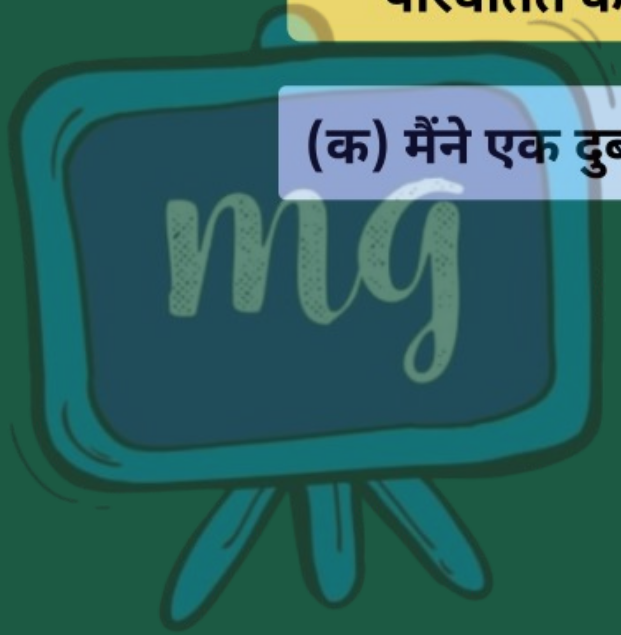


आधुनिक	:	इक
विषमता	:	ता
भलाई	:	ई
लड़कपन	:	पन
बुढ़ापा	:	पा
मालिन	:	इन
गरीबी	:	ई

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों को परिवर्तित करो :



(क) मैंने एक दुबला-पतला आदमी देखा था।

(मिश्र वाक्य बनाओ)

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों को परिवर्तित करो :

(क) मैंने एक दुबला-पतला आदमी देखा था।

उत्तरः मैंने एक आदमी देखा जो दुबला-पतला था।

(ख) जो विद्यार्थी मेहनत करता है वह अवश्य सफल होता है।

(सरल वाक्य बनाओ)



(ख) जो विद्यार्थी मेहनत करता है वह अवश्य सफल होता है।



उत्तरः मेहनती विद्यार्थी अवश्य सफल होता है।

(ग) किसान को अपने परिश्रम का लाभ नहीं मिलता।



(संयुक्त वाक्य बनाओ)

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) किसान को अपने परिश्रम का लाभ नहीं मिलता।



उत्तरः किसान परिश्रम करता है, पर लाभ नहीं मिलता।

(घ) लड़का बाजार जाएगा।

(निषेधवाचक वाक्य बनाओ)



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) लड़का बाजार जाएगा।

उत्तरः लड़का बाजार नहीं जाएगा ।



(ङ) लड़की गाना गाएगी।

(प्रश्नवाचक वाक्य बनाओ)



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) लड़की गाना गाएगी।

उत्तरः लड़की क्या गाएगी?

